University in News on 15 December 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : शिवानी की बिहार न्यायिक सेवा में छठवीं रैंक

लखनऊ। बिहार न्यायिक सेवा में भी लखनऊ विवि के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। चयन सेवा आयोग की ओर से जारी किए पीसीएस-जे के परीक्षा परिणाम में विश्वविद्यालय के चार छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है।

चार विद्यार्थी हुए चयनित

शिवानी श्रीवास्तव

प्रकाश कुमार

अभिषेक सिंह

आशुतोष तिवारी

छात्रा शिवानी श्रीवास्तव ने राज्य स्तर पर छठवीं रैंक हासिल कर परिवार, विवि समेत पूरे प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। छात्र प्रकाश ने 12वीं, अभिषेक सिंह ने 24वीं और आशुतोष तिवारी ने ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत 325वीं रैंक हासिल की है। सभी चयनितों को कुलपति प्रो. आलोक राय, डीन प्रो. बीडी सिंह व अन्य शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

लविवि में 22 दिसंबर से पांच जनवरी तक अवकाश

लखनऊ। लखनऊ विवि और सहयुक्त महाविद्यालयों में 22 दिसंबर से पांच जनवरी के बीच शीतकालीन अवकाश रहेगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। इस अवधि में विवि परिसर व सहयुक्त कॉलेजों में लिखित, मौखिकी और प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्व में जारी कार्यक्रम के हिसाब से चलती रहेंगी। विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्राचार्य की अनुमति पर ही मुख्यालय छोड़ पाएंगे। शीतकालीन अवकाश में कार्य करने वाले शिक्षक बदले में प्रतिकर अवकाश ले सकेंगे। इस संबंध में कार्यपरिषद की मंजूरी के बाद पहले ही कार्यालय ज्ञापन जारी किया जा चुका है। (संवाद)

तुषार गणतंत्र दिवस परेड में होंगे शामिल

लखनऊ। लविवि के ललित कला संकाय के विद्यार्थी तुषार राणा 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड में विवि का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य कला में दक्षता ने उन्हें यह मुकाम हासिल करवाया है। इस दौरान तुषार को प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट से मुलाकात का अवसर भी प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

i-NEXT PAGE 4

बिहार में सिविल जज बन सेवा देंगे एलयू के चार पूर्व स्टूडेंट्स

GOOD NEWS

LUCKNOW (14 DEC): भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय के मेधावियों ने बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. पूर्व छात्रा शिवानी श्रीवास्तव ने छठी रैंक, प्रकाश कुमार ईडब्ल्यूएस में 12वीं रैंक, अभिषेक सिंह 24वीं रैंक और आशुतोष तिवारी 325 रैंक के साथ चयनित होकर सिविल जज बनेंगे.

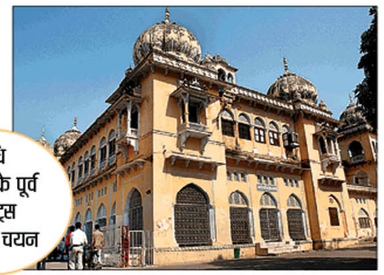

विधि संकाय के पूर्व स्टूडेंट्स का हुआ चयन

नौकरी संग करते रहे पढ़ाई

एलयू से 2019 में बीए एलएलबी आनर्स की पढ़ाई की. 2022 में एलएलएम किया. तैयारी शुरू की और बिहार में सहायक अभियोजन अधिकारी पद पर चयन हो गया. नौकरी के दौरान भी पढ़ाई नही छोड़ी. उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में न्यायिक सेवा में भी प्रयास किया. चयन नही हुआ, फिर भी प्रयास जारी रखा. अब बिहार न्यायिक सेवा में चयनित हो गई.

शिवानी श्रीवास्तव, छठी रैंक

रिवीजन पर रहा फोकस

प्राइमरी फोकस ही न्यायिक सेवा में जाना रहा. एलएलबी और एलएलएम बीएचयू से किया. नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करने के बाद एलयू में सत्र 2023-24 में विधि संकाय के डा. आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में पीएचडी शुरू की. न्यायिक सेवा की तैयारी में प्रमुख और सीमित कंटेंट पर विशेष ध्यान दिया. रिवीजन खूब किया. सफलता मिल गई.

अभिषेक सिंह, 24वीं रैंक

न्यायिक सेवा ही रहा लक्ष्य

शुरु से न्यायिक सेवा में जाने का लक्ष्य तय था. बीएचयू से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री लेकर एलयू से विधि में पीएचडी 2023-24 में प्रवेश लिया. सेल्फ स्टडी के साथ यूपी की न्यायिक सेवा परीक्षा दी. मेंस में रह गया, फिर भी प्रयास करता रहा. बिहार में सफलता मिली.

प्रकाश कुमार, ईडब्ल्यूएस 12वीं रैंक, (सामान्य में 149 रैंक)

इनका भी हुआ चयन

बिहार न्यायिक सेवा में चयनित हुए आशुतोष तिवारी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 2019 में एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स की डिग्री पूरी की. फिर 2023-24 में एलएलएम किया. उसके बाद तैयार की और 325वीं रैंक के साथ चयन हो गया.

HINDUSTAN PAGE 8

बिहार न्यायिक सेवा में छाए एलयू छात्र

सफलता

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के चार छात्र बिहार राज्य न्यायिक सेवा में सिविल जज के पद पर चयनित हुए हैं। इसमें विवि से वर्ष 2019 में इंटीग्रेटेड एलएलबी और 2022 में एलएलएम की डिग्री प्राप्त करने वाली शिवानी श्रीवास्तव को छठा स्थान मिला है।

शैक्षिक सत्र 2023-24 के पीएचडी छात्र अभिषेक सिंह और प्रकाश कुमार ने क्रमशः 24वीं और ईडब्ल्यूएस में 12वीं रैंक हासिल की है। इसके अलावा छात्र आशुतोष तिवारी की 325वीं रैंक आई है। आशुतोष मौजूदा समय में शैक्षिक सत्र 2023-24 एलएलएम कोर्स के विद्यार्थी हैं। उन्होंने एलयू से वर्ष 2019 में एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की डिग्री प्राप्त की थी। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह और कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

वैशाली, बिहार का रहने वाला हूं। एलयू के विधि संकाय में पीएचडी में दाखिला लिया। पिता विजय सिंह किसान और मां रजनीगंधा गृहिणी हैं। नियमित पढ़ाई पर मेरा जोर रहा।

– प्रकाश कुमार, रैंक-12

स्नातक तक की पढ़ाई गया, बिहार में हुई। एलयू से विधि संकाय में पीएचडी कर रहा। पिता विनय शील गौतम वकील व मां ऊषा देवी गृहिणी हैं। लगातार मेहनत से सफलता मिली।

– अभिषेक सिंह, रैंक 24

एलयू के तुषार कर्तव्य पथ पर दिखाएंगे प्रतिभा

लखनऊ। एलयू में ललित कला संकाय के छात्र तुषार राणा को गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए चयनित किया गया है। तुषार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे। साथ ही गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी।

लवि एवं डिग्री कालेजों में 22 से शीतकालीन अवकाश

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में 22 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। इस अवधि में लवि परिसर एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षाएं आदि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएंगी। विभागाध्यक्ष अथवा प्राचार्य की अनुमति से ही शिक्षक मुख्यालय छोड़ेंगे। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने शनिवार को पत्र जारी कर दिया।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि के चार पूर्व विद्यार्थी बिहार में बनेंगे सिविल जज

जागरण संवाददाता, लखनऊ : भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) परीक्षा के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय के मेधावियों ने बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जारी परिणाम में पूर्व छात्रा शिवानी श्रीवास्तव ने छठी रैंक, प्रकाश कुमार ईडब्ल्यूएस में 12वीं रैंक, अभिषेक सिंह 24वीं रैंक और आशुतोष तिवारी 325 रैंक के साथ चयनित होकर सिविल जज बनेंगे। विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नौकरी के बाद भी नहीं छोड़ी पढ़ाई

लखनऊ विश्वविद्यालय से 2019 में बीए एलएलबी आनर्स की पढ़ाई की। फिर 2022 में एलएलएम किया। न्यायिक सेवा में जाने का लक्ष्य पहले से ही तय था। तैयारी शुरू की और बिहार में सहायक अभियोजन अधिकारी पद पर चयन हो गया। नौकरी के दौरान भी मैंने पढ़ाई नहीं छोड़ी। शाम को समय निकाल कर तैयारी करती रही। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में न्यायिक सेवा में भी प्रयास किया। चयन नहीं हुआ। फिर भी प्रयास जारी रखा। अब बिहार न्यायिक सेवा में चयनित हो गई। मूल रूप से अयोध्या की रहने वाली हूं।

शिवानी श्रीवास्तव, छठी रैंक

लेखन और रिवीजन पर रहा फोकस

किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए लेखन व रिवीजन जरूरी है। तैयारी के दौरान मैंने इस पर पूरा फोकस किया। बिना कोचिंग पढ़ाई की। प्राइमरी फोकस ही न्यायिक सेवा में जाना रहा। इसलिए एलएलबी और एलएलएम बीएचयू से किया। नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 में विधि संकाय के डा. आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में पीएचडी शुरू की। न्यायिक सेवा की तैयारी में प्रमुख और सीमित कंटेंट पर विशेष ध्यान दिया। रिवीजन खूब किया। सफलता मिल गई। मूल रूप से बिहार के गया जिले का रहने वाला हूं।

अभिषेक सिंह, 24वीं रैंक

न्यायिक सेवा ही रहा लक्ष्य

मूलरूप से बिहार के दैशाली का रहने वाला हूं। शुरू से न्यायिक सेवा में जाने का लक्ष्य तय था। बीएचयू से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री लेकर लवि से विधि में पीएचडी में प्रवेश लिया। यूपी की न्यायिक सेवा परीक्षा दी। मेंस में रह गया। बिहार में सफलता मिली।

प्रकाश कुमार, ईडब्ल्यूएस 12वीं रैंक, (सामान्य में 149 रैंक)

इनका भी हुआ चयन

बिहार न्यायिक सेवा में चयनित हुए आशुतोष तिवारी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 2019 में एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स की डिग्री पूरी की। फिर 2023-24 में एलएलएम किया। उसके बाद तैयार की और 325वीं रैंक के साथ चयन हो गया।

लवि : अब 282 केंद्रों पर होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सहयुक्त महाविद्यालयों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए शनिवार शाम को केंद्रों की फाइनल सूची जारी कर दी। इसमें लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी जिले को मिलाकर 31 और कालेज जोड़ते हुए अब 282 केंद्र बनाए गए हैं। छात्र-छात्राएं परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in/ पर देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय ने 10 दिसंबर को जारी सूची में 251 केंद्र प्रस्तावित किए थे। आपत्तियों के निस्तारण के बाद 31 केंद्र बढ़ा दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 17 दिसंबर से शुरू होने वाली स्नतक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र बुधवार शाम को जारी कर दिए जाएंगे।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए तुषार राणा का चयन

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के छात्र तुषार राणा की नृत्य-कला में दक्षता के आधार पर उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में तुषार की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीता था। इसी आधार पर उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ। तुषार ने अपनी इस उपलब्धि को अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित किया है।

तुषार राणा ● सौ: लविं

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के चार छात्र बने सिविल जज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के चार छात्र बिहार राज्य न्यायिक सेवा में सिविल जज के पद पर चयनित हुए हैं। लविवि के विधि संकाय के डीन प्रो बीडी सिंह और कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

तुषार राणा का गणतंत्र दिवस परेड में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय से जुड़े छात्र तुषार राणा ने अपनी प्रतिभा का वह स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जो उनकी कला की गहरायी और समर्पण का प्रतीक है। उनकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य-कला में दक्षता ने उन्हें गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए चयनित कर एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। तुषार का यह चयन न केवल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह संदेश है कि कला की शक्ति सीमाओं से परे होती है। पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में उनकी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीता था, और इसी आधार पर उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ। अब तुषार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे और गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। इस स्वर्णिम अवसर के दौरान तुषार को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, और केंद्रीय मंत्रियों से भेंट का अद्वितीय सौभाग्य प्राप्त होगा। तुषार ने अपनी इस उपलब्धि को अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित किया है। उनके शब्दों में, «मेरा यह चयन मेरे शिक्षकों की प्रेरणा और माता-पिता के आशीर्वाद का फल है। उन्होंने मुझे अपने सपनों को पंख देना सिखाया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के चार विद्यार्थी बिहार न्यायिक सेवा में चयनित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अभिषेक सिंह व प्रकाश कुमार

अमृत विचार: बिहार न्यायिक सेवा में लखनऊ विश्वविद्यालय के चार छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। शिवानी श्रीवास्तव ने छठवां और विधि विभाग के शोध छात्र प्रकाश कुमार ने 12 वां स्थान हासिल किया है। अभिषेक सिंह ने 24 वां और अभिषेक तिवारी ने 325वीं रैंक हासिल की है।

शिवानी श्रीवास्तव

अयोध्या निवासी शिवानी बिहार के मोतीहारी जिले में ही कार्यरत हैं। उन्होंने लविवि में एलएलएम 2022 में पूरा किया था। प्रकाश कुमार विधि विभाग में शोध छात्र हैं। बिहार में गया निवासी अभिषेक सिंह भी लविवि में शोध कर रहे हैं। 325 वीं रैंक हासिल करने वाले आशुतोष तिवारी एलएलएम कर रहे हैं। कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय, विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह और प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया है।

LOKSATYA PAGE 3

तुषार राणा गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए चयनित

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय से जुड़े छात्र तुषार राणा ने अपनी प्रतिभा का वह स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जो उनकी कला की गहराई और समर्पण का प्रतीक है। उनकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य-कला में दक्षता ने उन्हें गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए चयनित कर एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। तुषार का यह चयन न केवल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह संदेश है कि कला की शक्ति सीमाओं से परे होती है। पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में उनकी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीता था, और इसी आधार पर उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ। अब तुषार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे और गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। इस स्वर्णिम अवसर के दौरान तुषार को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, और केंद्रीय मंत्रियों से भेंट का अद्वितीय सौभाग्य प्राप्त होगा। तुषार ने अपनी इस उपलब्धि को अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित किया है। उनके शब्दों में, «मेरा यह चयन मेरे शिक्षकों की प्रेरणा और माता-पिता के आशीर्वाद का फल है। उन्होंने मुझे अपने सपनों को पंख देना सिखाया।

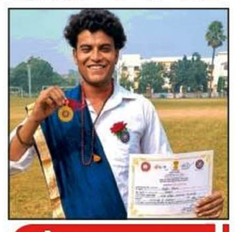

खेलकूद

- **उन्हें गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए चयनित किया गया**

ARYA PRAWAH PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय के लीगल एड सेंटर के सदस्यों ने राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लिया

आर्य प्रवाह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लीगल एड सेंटर के सदस्यों ने 14 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लिया, जो कि न्यायिक प्रणाली में सुधार और नवाचार के लिए आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, लीगल एड सेंटर के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्राप्त किया, जिनमें शामिल हैं न्यायिक प्रक्रिया और प्रक्रियात्मक न्याय, मानवाधिकार और न्यायिक संरक्षण, विधिक सहायता और न्यायिक प्रक्रिया में इसकी भूमिका, और न्यायिक प्रणाली में सुधार और नवाचार। इस दौरान, वैवाहिक और संपत्ति विवादों, मोटर दुर्घटना दावों, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामलों सहित निपटान के लायक मामलों पर विचार किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कानून संकाय के डीन और प्रमुख, प्रो. डॉ. बीडी सिंह ने कहा, हमें राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेने का अवसर मिला, जो कि न्यायिक प्रणाली में सुधार और नवाचार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

लीगल एड सेंटर के अध्यक्ष, डॉ. अभिषेक तिवारी ने कहा, हमारे सदस्यों ने अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया और राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्यों और लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लखनऊ विश्वविद्यालय का लीगल एड सेंटर न्यायिक प्रणाली में सुधार और नवाचार के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय लोक अदालत जैसे आयोजनों में भाग लेकर अपने उद्देश्यों को पूरा करेगा।

तुषार राणा का चयन गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए

आर्य प्रवाह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय से जुड़े छात्र तुषार राणा ने अपनी प्रतिभा का वह स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जो उनकी कला की गहराई और समर्पण का प्रतीक है। उनकी अद्वितीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य-कला में दक्षता ने उन्हें गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के लिए चयनित कर एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

तुषार का यह चयन न केवल उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह संदेश है कि कला की शक्ति सीमाओं से परे होती है। पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर में उनकी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीता था, और इसी आधार पर उन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ। अब तुषार दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे और गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। इस स्वर्णिम अवसर के दौरान तुषार को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, और केंद्रीय मंत्रियों से भेंट का अद्वितीय सौभाग्य प्राप्त होगा। तुषार ने अपनी इस उपलब्धि को अपने गुरुजनों और परिवार को समर्पित किया है। उनके शब्दों में, «मेरा यह चयन मेरे शिक्षकों की प्रेरणा और माता-पिता के आशीर्वाद का फल है। उन्होंने मुझे अपने सपनों को पंख देना सिखाया।